भजन

तर्ज– मुझे तेरी मुहब्बत का सहारा

मेरे निजधाम के साथी तुम्हें प्रणाम करते हैं
अर्श की बिछड़ी रूहों का मिलन धनी धाम करते हैं

1– छठा दिन मोमिनों काजागनी अभियान करने का
धनी उनको जगाते हैं,जो जान कुर्बान करते हैं

2– धनी की राह पे कुर्बानी,करेंगे अर्श के मोमिन
माया के जीवड़े माया में,ही घुट घुट के मरते हैं

3–धनी श्री देवचन्द्र जी ने,जागनी अभियान चलाया था
हकी सूरत महामति बनके,अपना काम करते हैं

4– खजाना अर्श का लाकर,दिया है अपनी उमत को
निबेरा माया और ब्रह्म का,मेरे धनी धाम करते हैं